UNIVERSITY NEWS 13 SEPTEMBER 2026

I NEXT

युवाओं में नॉवेल तो बच्चों में कॉमिक्स का क्रेज

READ ON, LUCKNOW!

lucknow@inext.co.in

एलयू कैंपस में सीएम योगी आदित्यनाथ ने किया गोमती पुस्तक महोत्सव का शुभारंभ

स्टॉल पर जाकर किताबें देखते सीएम योगी आदित्यनाथ.

डिजिटल लाइब्रेरी में लाख हजार से अधिक किताबें

युवाओं को किताबों से जोड़ें

किताबें जीत रहीं दिल

हर तरह की किताबें

शिक्षाविद् भी रहे मौजूद

बच्चों के लिए चिल्ड्रेन कॉर्नर

पहले दिन ही बड़ी संख्या में बुक फेयर में.

सूफी संगीत ने जमा दिया रंग

NBT

'लखनऊ साहित्य का पुराना केंद्र'

लखनऊ विश्वविद्यालय में पांचवें गोमती पुस्तक मेले का CM ने किया आगाज

प्रदर्शनी देखी, बच्चों को दी किताबें

शैलेंद्र की तीन पुस्तकों का विमोचन

LU के हॉस्टलों से देर रात हिरासत में लिए गए छात्र

AMRIT VICHAR

किताबों में डूबे, लेखकों से किए पुस्तकों की बारीकियों पर सवाल

लविवि में शुरू हुए पुस्तक मेले में पहले दिन बड़ी संख्या में पहुंचे जेन-जी और जेन अल्फा

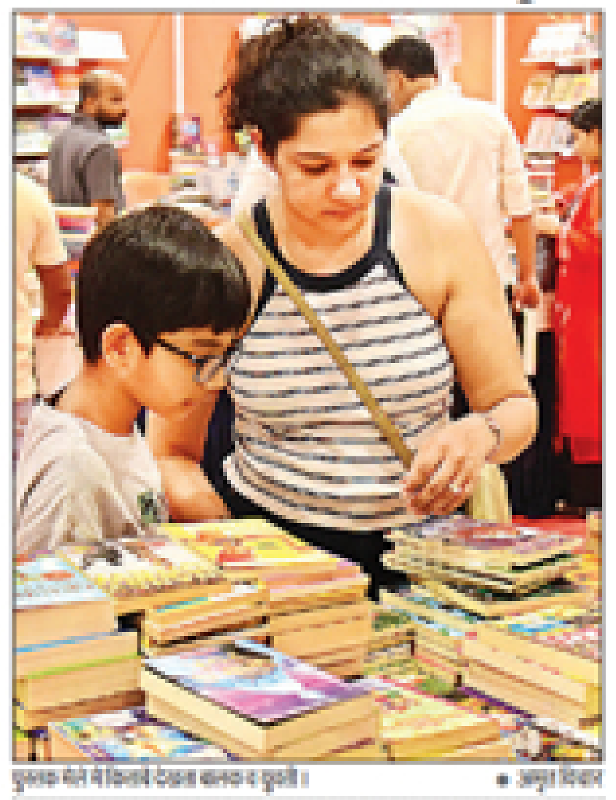

पुस्तक मेले में आज

SWATANTRA BHARAT

लखनऊ विश्वविद्यालय में स्मार्ट इंडिया इंटर्नल हैकाथॉन का आयोजन

NBT

गोमती पुस्तक महोत्सव | लखनऊ विवि मे सीएम ने किया उद्घाटन

युवा किताबें नहीं पढ़ते, यह कहना गलतः योगी

■ NBT न्यूज, लखनऊ: सीएम योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को लखनऊ विश्वविद्यालय में नेशनल बुक ट्रस्ट के पांचवें गोमती पुस्तक महोत्सव का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि युवा पुस्तकों से दूर हो गया है, ऐसा कहना अन्याय होगा। असल जरूरत उन तक किताबें पहुंचाने की है।

सीएम ने कहा कि केवल कोर्स की किताबें पढ़ना काफी नहीं। समाज और दुनिया को समझने के लिए विविध विषयों व विचारों से रूबरू होना जरूरी है। उन्होंने युवाओं से अपना 'बुक बैंक' बनाने की अपील करते हुए कहा कि युवाओं को अपनी राह खुद बनानी होगी और पुस्तक मेले इसमें अहम जरिया बन सकते हैं।

सीएम ने बच्चों को पीएम नरेंद्र मोदी की पुस्तक 'एग्जाम वॉरियर्स' बांटी। उन्होंने कहा कि जीवन मे मुश्किल इम्तिहान सामने हो और हिम्मत टूटने लगे, तब यह किताब संबल और मार्गदर्शक बनती है।

57,600 पंचायतों में बनी डिजिटल लाइब्रेरी

योगी ने बताया कि डिजिटल तकनीक ने गांव और शहरों की दूरी मिटा दी है। पहले ग्राम प्रधान अपने घर से व्यवस्था चलाते थे, लेकिन हमारी सरकार ने ग्राम सचिवालय विकसित किए, जहां ग्रामीणों के लिए भी कॉन्फ्रेंस रूम और डिजिटल लाइब्रेरी बनाई गई है। प्रदेश की 57,600 ग्राम पंचायतों मे डिजिटल लाइब्रेरी बन चुकी है। बाकी जगह भी इनकी स्थापना करवाई जा रही है।

संबंधित खबर पेज 6

AMRIT VICHAR

गोमती पुस्तक महोत्सव में सजा किताबों का संसार

लखनऊ: गोमती पुस्तक महोत्सव के उद्घाटन के दौरान सीएम योगी, साथ में उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय, माध्यमिक शिक्षा मंत्री गुलाबो देवी व बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह व अन्य।

कार्यक्रम के दौरान मौजूद बच्चे।

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : लखनऊ विश्वविद्यालय परिसर में शनिवार को गोमती पुस्तक महोत्सव-2026 का आगाज हुआ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नौ दिवसीय महोत्सव का उद्घाटन किया। 20 सितंबर तक चलने वाले आयोजन में किताबों की प्रदर्शनी के साथ साहित्यिक संवाद, सांस्कृतिक कार्यक्रम, बाल गतिविधियां और विभिन्न विषयों पर कार्यशालाएं आयोजित होंगी।

महोत्सव में करीब 250 स्टॉल लगाए गए हैं, जिनमें 121 प्रकाशकों की भागीदारी है। हिंदी, अंग्रेजी, उर्दू, अवधी समेत विभिन्न भारतीय भाषाओं की हजारों किताबें यहां उपलब्ध हैं। साहित्य, इतिहास, संस्कृति, जीवनी, कला, शिक्षा और समकालीन विषयों पर पाठकों को किताबें मिल रही हैं।

250 स्टॉल पर 121 प्रकाशकों की हजारों किताबें

20 सितंबर तक साहित्य और संस्कृति के रंग

महिला अस्मिता से अंतरिक्ष तक संवाद : महोत्सव में साहित्य से लेकर विज्ञान तक विभिन्न विषयों पर संवाद होंगे। उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू, अंतरिक्ष यात्री ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला, लोकगायिका मालिनी अवस्थी समेत कई लेखक और विशेषज्ञ इसमें शामिल होंगे।

22 भाषाओं में 7000 ई-पुस्तकें

महोत्सव में राष्ट्रीय ई-पुस्तकालय की जानकारी देने की भी व्यवस्था की गई है। इसमें 22 से अधिक भाषाओं की सात हजार से ज्यादा ई-पुस्तकें उपलब्ध हैं। इसके अलावा राष्ट्रगीत वंदे मातरम के 150 वर्ष पूरे होने पर विशेष प्रदर्शनी भी लगाई गई है। महोत्सव में प्रवेश निशुल्क है।

हर शाम संस्कृति के नाम

महोत्सव में हर शाम उत्तर प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत की झलक देखने को मिलेगी। कथक, लोक प्रस्तुतियां, मुशायरा, सुगम संगीत और दास्तानगोई के कार्यक्रम होंगे। बिरजू महाराज कथक संस्थान की कथक नृत्य-नाटिका ''रघुवंशम'' और कैफ़ी आजमी अख्तर पर विशेष दास्तानगोई भी आकर्षण रहेगी।

AMRIT VICHAR

हैकाथॉन में 126 टीमों ने पेश किए समाधान

अमृत विचार, लखनऊ: लखनऊ विश्वविद्यालय में अभियांत्रिकी एवं तकनीकी संकाय के कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग विभाग की ओर से स्मार्ट इंडिया इंटर्नल हैकाथॉन-2026 का आयोजन हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता संकायाध्यक्ष प्रो. सतेंद्र पाल सिंह ने की। विभाग के समन्वयक डॉ. हिमांशु पांडेय ने बताया कि प्रतियोगिता में विभिन्न विभागों की 126 टीमों के 756 विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। आठ सत्रों में आयोजित प्रतियोगिता का मूल्यांकन 18 ज्यूरी पैनलों ने किया। विद्यार्थियों ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग, डेटा साइंस, साइबर सिक्योरिटी, डिफेंस, कृषि और इंटरनेट ऑफ थिंग्स समेत विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े समस्या कथनों पर तकनीकी समाधान प्रस्तुत किए। ज्यूरी ने 126 टीमों के आइडिया का मूल्यांकन कर 50 टीमों को अगले चरण के लिए चुना। इन टीमों की राष्ट्रीय स्तर पर स्क्रीनिंग होगी। नवंबर में ग्रैंड फिनाले के लिए शॉर्टलिस्ट टीमों की घोषणा और दिसंबर में फिनाले प्रस्तावित है।

लोक अदालत में सुनवाई से विवादों का निस्तारण देखा

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय में विधि संकाय के विधिक सहायता केंद्र के सदस्यों ने शनिवार को जिला एवं सत्र न्यायालय में आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत का शैक्षणिक भ्रमण किया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ के तत्वावधान में आयोजित लोक अदालत में सदस्यों ने विभिन्न मामलों की सुनवाई और समझौते के जरिए विवादों के निस्तारण की प्रक्रिया देखी। भ्रमण विधि संकाय के अधिष्ठाता व विभागाध्यक्ष प्रो. आरके वर्मा और विधिक सहायता केंद्र के अध्यक्ष डॉ. अभिषेक कुमार तिवारी की देखरेख में हुआ। डॉ. अभिषेक ने बताया कि सदस्यों ने दीवानी, बैंकिंग, बीमा, वैवाहिक और श्रम विवादों की कार्यवाही देखी। डीएलएसए लखनऊ के सचिव से संवाद कर विधिक सहायता और जागरूकता कार्यक्रमों की जानकारी भी ली। भ्रमण से सदस्यों को न्याय व्यवस्था के व्यावहारिक पक्ष को समझने का अवसर मिला।

SWATANTRA BHARAT

पुस्तकें बच्चों में ज्ञान, विचार, संस्कार और कल्पना का विकास करती हैं : संदीप सिंह

THE PIONEER

Youth want to read, books should reach them: CM

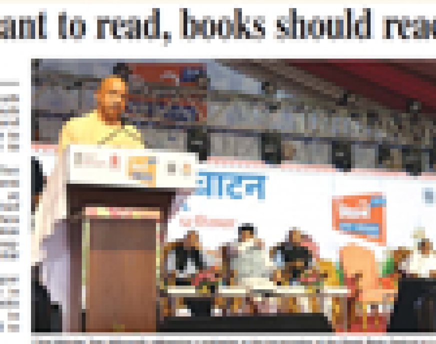

UNIVERSITY NEWS 13 SEPTEMBER 2026

VOICE OF LUCKNOW

लखनऊ में साहित्य और संस्कृति के महाकुंभ का आगाज

करीब 250 स्टॉलों पर मौजूद हैं 121 प्रकाशकों की हजारों पुस्तकें, 12 से 20 तक चलेगा नौ दिवसीय महोत्सव

- महिला अस्मिता से अंतरिक्ष-विज्ञान तक पर होंगे संवाद, शुभांशु शुक्ला समेत कई हस्तियां करेंगी शिरकत
- हर शाम सजेगा यूपी की सांस्कृतिक विरासत का मंच, कथक, लोक प्रस्तुतियां, मुशायरा और दास्तानगोई

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय परिसर में शनिवार को गोमती पुस्तक महोत्सव-2026 के पांचवें संस्करण का भव्य शुभारंभ हुआ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने महोत्सव का उद्घाटन किया। राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत की ओर से आयोजित यह महोत्सव 12 से 20 सितंबर तक चलेगा। नौ दिवसीय महोत्सव में पुस्तक प्रदर्शनी के साथ साहित्यिक संवाद, सांस्कृतिक कार्यक्रम, बाल गतिविधियां, कार्यशालाएं और तकनीक से जुड़े आयोजन होंगे। योगी सरकार के कार्यकाल में प्रदेश में पुस्तक संस्कृति, शिक्षा, साहित्य और ज्ञान के प्रसार को बढ़ावा देने की दिशा में किए जा रहे प्रयासों के बीच यह महत्वपूर्ण आयोजन है।

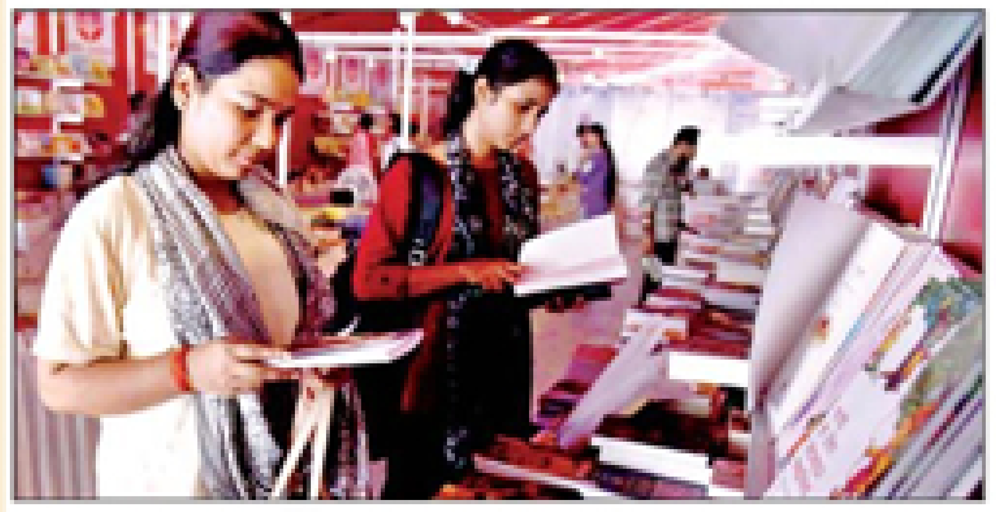

250 पुस्तक स्टॉल, 121 प्रकाशकों की भागीदारी

महोत्सव में लगभग 250 पुस्तक स्टॉल लगाए गए हैं। इनमें 121 प्रकाशक शामिल हैं। यहां हिंदी, अंग्रेजी, उर्दू, अवधी समेत विभिन्न भारतीय भाषाओं की हजारों पुस्तकें पाठकों के लिए उपलब्ध हैं। साहित्य, इतिहास, संस्कृति, जीवनी, कला, शिक्षा, आध्यात्मिकता और समकालीन विषयों से जुड़ी पुस्तकों का व्यापक संग्रह यहां देखने को मिल रहा है। राष्ट्रीय पुस्तक न्यास के प्रोग्राम ऑफिसर नरेंद्र सिंह ने बताया कि एनबीटी करीब 70 भाषाओं में किताबें प्रकाशित कर रहा है और इसके संग्रह में लगभग 10 हजार पुस्तकें हैं। दिव्यांश पब्लिकेशन के प्रबंध निदेशक नीरज अरोड़ा ने बताया कि उनके स्टॉल पर कई विषयों पर पुस्तकें मौजूद हैं। यहां हिंद युग्म का भी स्टॉल लगाया गया है। राज कमल प्रकाशन के सीनियर सेल्स मैनेजर विनोद तिवारी ने बताया कि उनके पास हिंदी की करीब 5,000 पुस्तकें हैं।

साहित्य से विज्ञान तक होंगे संवाद

गोमती पुस्तक महोत्सव में प्रतिष्ठित लेखकों, विशेषज्ञों और विभिन्न क्षेत्रों की हस्तियों के साथ संवाद सत्र आयोजित किए जा रहे हैं। इन सत्रों में दिल्ली के उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू, भारतीय अंतरिक्ष यात्री ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला, प्रसिद्ध लोकगायिका मालिनी अवस्थी, लेखक शांतनु गुप्ता और पद्मश्री से सम्मानित डॉ. विद्या विंदु सिंह सहित विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिष्ठित कलाकार, लेखक और विशेषज्ञ भाग लेंगे।

बच्चों के लिए विशेष बाल मंडल

नन्हे पुस्तक प्रेमियों को ध्यान में रखते हुए नेशनल सेंटर फॉर चिल्ड्रन्स लिटरेचर की ओर से पूरे नौ दिनों के लिए विशेष बाल मंडप तैयार किया गया है। इसमें अलग-अलग आयु वर्ग के बच्चों के लिए कठपुतली नाटक, स्टोरीटेलिंग, वैदिक गणित, माइंडफुलनेस वर्कशॉप, क्ले आर्ट, पोस्टर निर्माण, सुलेख, कैरिकेचर स्टूडियो, कविता पाठ, मंडला कला और रचनात्मक लेखन जैसी गतिविधियां होंगी। इसके साथ ही चित्रकला और क्विज प्रतियोगिताएं भी आयोजित होंगी। ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला के साथ बच्चों के लिए विशेष संवाद सत्र भी प्रस्तावित है।

हर शाम दिखेगी उत्तर प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत

महोत्सव में प्रत्येक शाम उत्तर प्रदेश की समृद्ध परंपराओं और सांस्कृतिक विरासत को दर्शाने वाले कार्यक्रम होंगे। इनमें पारस बैंड की प्रस्तुति, कथक कार्यक्रम, बिरजू महाराज कथक संस्थान की कथक नृत्य-नाटिका रघुवंशम, सुगम संगीत की शाम, मुशायरा, लोक प्रस्तुतियां और भारतेन्दु नाट्य अकादमी की नाट्य प्रस्तुति शामिल हैं। बेगम अख्तर को समर्पित विशेष दास्तानगोई सत्र भी आकर्षण का केंद्र रहेगा।

राष्ट्रगीत वंदे मातरम के 150 वर्ष पूरे होने पर विशेष प्रदर्शनी

एनबीटी के चेयरमैन मिलिंद मराठे ने बताया कि वंदे मातरम राष्ट्रगीत के 150 वर्ष पूरे होने के अवसर पर देशभर में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में राष्ट्रीय पुस्तक न्यास की ओर से विशेष प्रदर्शनी तैयार की गई है, जिसे देशभर में एनबीटी के पुस्तक आयोजनों में प्रदर्शित किया जा रहा है।

7 हजार से अधिक ई-पुस्तकों का डिजिटल संसार : महोत्सव में बच्चों, युवाओं, विद्यार्थियों और शिक्षकों को राष्ट्रीय ई-पुस्तकालय से परिचित कराने की व्यवस्था भी की गई है। राष्ट्रीय ई-पुस्तकालय की क्षेत्रीय जुड़ाव विशेषज्ञ मुस्कान कोहली ने बताया कि यह एक डिजिटल लाइब्रेरी है, इसमें 22 से अधिक भाषाओं की 7,000 से ज्यादा ई-पुस्तकें उपलब्ध हैं।

राष्ट्र निर्माण में पुस्तकों की महत्वपूर्ण भूमिका : राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत के निदेशक युवराज मलिक ने कहा कि यह महोत्सव मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की पुस्तकालयों और पुस्तक संस्कृति को बढ़ावा देने की मुहिम का हिस्सा है। बच्चों और जेनजी के लिए प्रतिदिन विभिन्न गतिविधियां और प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी तथा महोत्सव में प्रवेश पूरी तरह निःशुल्क रहेगा।

गोमती पुस्तक महोत्सव के पहले दिन सजी संगीत की सुरमयी शाम

लखनऊ। लखनऊ में शुरू हुए गोमती पुस्तक महोत्सव 2026 के पहले दिन शनिवार शाम साहित्य और पुस्तकों के साथ संगीत की भी रंगत देखने को मिली। महोत्सव परिसर में आयोजित संगीतमय कार्यक्रम में बॉलीवुड रेट्रो, सूफी और रॉक की प्रस्तुतियों से श्रोताओं का मनोरंजन किया। शाम की शुरुआत लोकप्रिय बॉलीवुड धुनों और सदाबहार रेट्रो गीतों से हुई। इसके बाद सूफी संगीत की प्रस्तुतियों ने माहौल को सुरमयी बनाया, जबकि रॉक अरेंजमेंट्स ने कार्यक्रम में ऊर्जा भर दी। अलग-अलग संगीत शैलियों के इस संयोजन ने बच्चों, युवाओं और परिवारों सहित विभिन्न आयु वर्ग के दर्शकों को आकर्षित किया। महोत्सव में मौजूद पुस्तक प्रेमियों और संगीतप्रेमियों ने प्रस्तुतियों का आनंद लिया। लोकप्रिय गीतों के दौरान दर्शकों ने तालियों के साथ कलाकारों का उत्साह बढ़ाया। लाइव इंस्ट्रूमेंट्स के साथ दी गई प्रस्तुतियों ने कार्यक्रम को विशेष रूप से जीवंत बनाया। पारस (वोकल्स), शैलेश (कीबोर्ड), अंशु (इलेक्ट्रिक गिटार), देव (बेस गिटार) और युग (ड्रम्स) शामिल हैं। करीब पांच वर्षों से लाइव संगीत के क्षेत्र में सक्रिय यह बैंड विभिन्न मंचों और आयोजनों में प्रस्तुति दे चुका है। गोमती पुस्तक महोत्सव का उद्देश्य पुस्तकों और साहित्य को केंद्र में रखते हुए पाठकों को संवाद, कला, संस्कृति और रचनात्मक अभिव्यक्ति से जोड़ना है। इसी क्रम में पहले दिन की यह संगीत प्रस्तुति महोत्सव के बहुआयामी सांस्कृतिक स्वरूप का हिस्सा रही। पुस्तकों से सजे परिसर में साहित्यिक गतिविधियों के साथ संगीत की यह शाम दर्शकों के लिए आकर्षण का प्रमुख केंद्र बनी।

HINDUSTAN TIMES

[GOMTI BOOK FESTIVAL GETS UNDERWAY]

Youth want to read if books are made accessible, says Yogi

HT Correspondent
letters@htlive.com

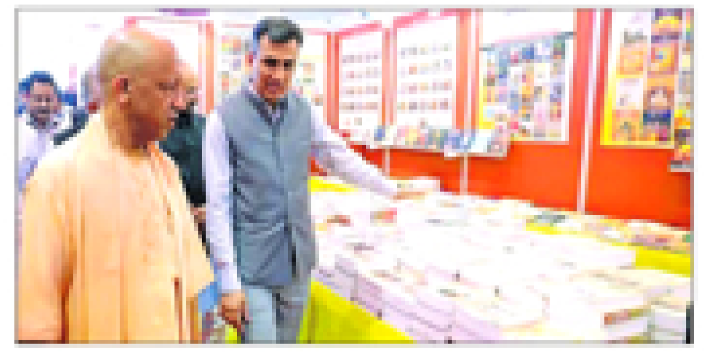

Chief minister Yogi Adityanath inaugurates Gomti Book Festival-2026 at Lucknow University on Saturday. HT PHOTO

LUCKNOW : Chief minister Yogi Adityanath on Saturday said it was wrong to assume that youth were moving away from books. The success of book festivals in Lucknow and Gorakhpur was evidence that youngsters wanted to read when books were made accessible to them, he added.

Inaugurating the nine-day Gomti Book Festival at Lucknow University, the chief minister said the response to the festivals had dispelled the notion that young people spent their time only on social media.

"We simply hadn't made the effort to bring books to them. They do want to read, but we must establish a system to deliver books to them," he said.

Adityanath said the book festival was inspired by Prime Minister Narendra Modi's vision of connecting India's ancient knowledge tradition with modern knowledge. Recalling the first edition of the Lucknow book festival, he said, "When Yuvraj Malik, director, National Book Trust, first brought the proposal of a book festival in Lucknow, I wondered what the results would be. But after the first edition saw a positive response, I asked him to organise one in Gorakhpur as well. Gorakhpur saw an even bigger turnout and more books were purchased than in Lucknow."

Invoking the Vedic mantra 'A no bhadrah kratavo yantu vishvatah' (let noble thoughts come from every side), the chief minister said knowledge could not be acquired only through the syllabus taught in schools and colleges.

"No person becomes great overnight. Greatness comes after enduring multiple failures without giving up," he said.

Highlighting Uttar Pradesh's literary heritage, Adityanath said Lucknow had been an ancient centre of literature, while Naimisharanya, around 70 km from Lucknow, was where 88,000 sages had carried forward the Vedic tradition through the Puranas. He said Shuktirtha in Muzaffarnagar was where the Shrimad Bhagavat was first narrated around 5,000 years ago.

Adityanath said the state had faced adverse consequences when knowledge remained confined to narrow boundaries and was subsequently labelled a "bimaru" state. "A decade ago, youth here faced an identity crisis and hesitated to disclose their identity outside. In the last 10 years, dedicated efforts changed it and the digital era bridged the gap between cities and villages," he said.

He said the state had set up libraries in all 57,600 gram secretariats, stocked with NBT books and equipped with access to digital libraries, which were now being used by village youth. He added that under Operation Kayakalp, basic education schools had been provided modern buildings, digital libraries and smart classrooms.

Urging students to build personal book banks, Yogi said, "Make it a habit to purchase books that foster creative thought apart from textbooks. This book bank will be a lifelong inspiration."

LU vice-chancellor Prof JP Saini, NBT chairman Prof Milind Marathe, NBT director Yuvraj Malik, ministers Sandeep Singh, Yogendra Upadhyay and Gulab Devi, and CM advisor Awanish Awasthi were present at the programme.

SWATANTRA BHARAT

राष्ट्रीय लोक अदालत में विधि विद्यार्थियों ने न्यायिक प्रक्रिया का किया व्यावहारिक अध्ययन

स्वतंत्र भारत लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के विधि संकाय के विधिक सहायता केंद्र की ओर से जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वावधान में जिला एवं सत्र न्यायालय, लखनऊ में आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत का शैक्षणिक भ्रमण किया गया। भ्रमण का उद्देश्य विधि विद्यार्थियों को न्याय वितरण प्रणाली की व्यावहारिक प्रक्रिया से परिचित कराने के साथ सभी के लिए न्याय तक समान और सुलभ पहुंच की अवधारणा को समझाना रहा। यह शैक्षणिक भ्रमण विधि संकाय के अधिष्ठाता एवं विभागाध्यक्ष प्रो. डॉ. आर.के. वर्मा तथा विधिक सहायता केंद्र के अध्यक्ष डॉ. अभिषेक कुमार तिवारी के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। भ्रमण के दौरान केंद्र के सदस्यों ने राष्ट्रीय लोक अदालत की विभिन्न कार्यवाहियों का प्रत्यक्ष अवलोकन किया और विवादों के त्वरित एवं सुलहपूर्ण निस्तारण की प्रक्रिया को नजदीक से समझा। विद्यार्थियों ने दीवानी विवादों, बैंकिंग एवं बीमा से संबंधित मामलों तथा वेतन और श्रम विवादों की सुनवाई एवं निस्तारण की कार्यवाही देखी। इस दौरान उन्हें यह समझने का अवसर मिला कि लोक अदालत के माध्यम से पक्षकारों की सहमति और सुलह के आधार पर विवादों का समाधान किस प्रकार किया जाता है। विद्यार्थियों ने न्यायिक प्रक्रिया के विभिन्न व्यावहारिक पहलुओं को समझने के साथ यह भी जाना।

HINDUSTAN

लोक अदालत में विवादों का निस्तारण

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय मे विधि संकाय के विधिक सहायता केंद्र के सदस्यों ने शनिवार को जिला एवं सत्र न्यायालय मे आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत का शैक्षणिक भ्रमण किया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वावधान मे लोक अदालत मे सदस्यों ने विभिन्न मामलों की सुनवाई और समझौते से विवादो के निस्तारण की प्रक्रिया देखी। भ्रमण विधि संकाय के अधिष्ठाता व विभागाध्यक्ष प्रो . आरके वर्मा समेत अन्य की देखरेख मे हुआ।

SWATANTRA BHARAT

पुस्तकें जीवन को नई दिशा देने का सशक्त माध्यम : सीएम

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पुस्तकें केवल पाठ्यक्रम तक सीमित ज्ञान प्राप्त करने का माध्यम नहीं हैं, बल्कि समाज, देश और दुनिया को समझने, चिंतन को व्यापक बनाने तथा व्यक्ति की रचनात्मकता को विकसित करने का सशक्त साधन हैं। ज्ञान आधारित समाज के निर्माण में पुस्तकों और पुस्तकालयों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। वर्तमान समय में पुस्तक संस्कृति को मजबूत करने के साथ ही युवाओं को पुस्तकों से जोड़ना आवश्यक है। मुख्यमंत्री शनिवार को लखनऊ में आयोजित पांचवें गोमती पुस्तक महोत्सव-2026 के शुभारम्भ अवसर पर संबोधित कर रहे थे। इससे पूर्व उन्होंने फीता काटकर महोत्सव का शुभारम्भ किया और वंदे मातरम् पर आधारित प्रदर्शनी तथा विभिन्न पुस्तक स्टॉलों का अवलोकन किया। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पुस्तक 'एग्जाम वॉरियर्स' भी भेंट की। गोमती पुस्तक महोत्सव का आयोजन नेशनल बुक ट्रस्ट, इंडिया की ओर से 12 से 20 सितम्बर तक किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री की प्रेरणा और दृष्टिकोण के अनुरूप शिक्षा मंत्रालय देश के विभिन्न हिस्सों में पुस्तक महोत्सवों के माध्यम से भारत की प्राचीन ज्ञान परंपरा को आधुनिक ज्ञान से जोड़ने का अभिनव प्रयास कर रहा है। उन्होंने नेशनल बुक ट्रस्ट के चेयरमैन प्रो. मिलिंद सुधाकर मराठे और निदेशक युवराज मलिक को इस दिशा में प्रभावी कार्य के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि लखनऊ में आयोजित गोमती पुस्तक महोत्सव का यह पांचवां संस्करण है। इसी प्रकार गोरखपुर में भी पुस्तक महोत्सव आयोजित किया गया, जिसमें युवाओं की पुस्तक संस्कृति के प्रति रुचि स्पष्ट रूप से सामने आई। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि डिजिटल युग में अक्सर यह चिंता व्यक्त की जाती है कि युवा पुस्तकों से दूर होकर अपना अधिक समय सामाजिक और डिजिटल माध्यमों पर व्यतीत कर रहे हैं, लेकिन पुस्तक महोत्सवों के अनुभव इस धारणा को पूरी तरह नकारते हैं। इस महोत्सव की व्यापकता का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि पहले यहां लगभग 80 स्टॉल हुआ करते थे, जबकि अब इनकी संख्या बढ़कर 250 हो गई है। अगले नौ दिनों तक लखनऊ के हजारों छात्र-छात्राओं और युवाओं को ज्ञानवर्धक, मनोरंजक, रोचक और विविध विषयों की पुस्तकों से परिचित होने का अवसर मिलेगा। इस दौरान पुस्तकों के विमोचन, लेखकों से संवाद तथा उनकी अभिव्यक्ति और जीवन यात्रा को समझने के अवसर भी मिलेंगे। महापुरुषों की आत्मकथाओं और जीवन गाथाओं के माध्यम से युवा उनके संघर्ष और उपलब्धियों से प्रेरणा ले सकेंगे। उन्होंने कहा कि केवल विद्यालय, महाविद्यालय अथवा विश्वविद्यालय जाकर पाठ्यक्रम की पुस्तकें पढ़ लेने से कोई व्यक्ति पूर्ण रूप से ज्ञानवान नहीं हो सकता। इसके बाहर भी एक व्यापक दुनिया है, जिसे समझना आवश्यक है। पुस्तकें किसी विषय में विशेषज्ञता हासिल करने के साथ ही व्यक्ति को समाज, देश और दुनिया को समझने का दृष्टिकोण प्रदान करती हैं। अलग-अलग प्रकार की पुस्तकों के अध्ययन से ज्ञान का विस्तार होता है और व्यक्ति स्वयं को जीवन के विभिन्न क्षेत्रों के लिए तैयार कर सकता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि कोई व्यक्ति अचानक बड़ा नहीं बनता। सफलता की अपनी एक यात्रा होती है, जिसमें असफलताओं और अनेक ठोकरों का सामना करना पड़ता है। जो व्यक्ति हार नहीं मानता, वही सफलता को [illegible] हासिल करता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पुस्तक 'एग्जाम वॉरियर्स' विद्यार्थियों और युवाओं के लिए अत्यंत उपयोगी है। प्रत्येक बच्चे को इस पुस्तक को पढ़ना और इसके मंत्रों को आत्मसात करना चाहिए।

TIMES OF INDIA

PM Modi built his identity through penance, struggle, spiritual discipline: Yogi

Times News Network

Lucknow: Praising PM Narendra Modi for his "penance, spiritual discipline, struggle and a desire to accomplish something for the country", chief minister Yogi Adityanath on Saturday laid out details of programmes that will be organised in the state under the 'Sewa Sankalp Abhiyan' to mark 25 years of the PM's political life.

"PM Modi is neither a dynastic tradition nor any hereditary legacy. Today, the entire country is benefiting from his penance and spiritual discipline in the form of capable leadership. On Oct 7, he will complete 25 years as the head of govt, first as the CM of Gujarat and then as the PM of the country. To express gratitude for this journey, the state govt and the BJP organisation will jointly conduct the statewide from Sept 17 to Oct 17," he said.

▸ Top 5 economies, P 3

CM Yogi at Gomti Book festival

Build book bank as reading gives new direction to life: CM

CM Yogi Adityanath on Saturday said that there is the need to ensure that youth have access to books and said that young people should have their own book banks as the habit of reading can give a new direction to their lives. Inaugurating Gomti Book Fair in Lucknow, the CM distributed copies of PM Narendra Modi's book 'Exam Warriors' among children and encouraged them to read it. P 2

HINDUSTAN

मुख्यमंत्री ने लखनऊ विश्वविद्यालय में गोमती पुस्तक महोत्सव का शुभारंभ किया, विद्यार्थियों को प्रधानमंत्री की पुस्तक भेंट की

हर युवा पुस्तक खरीदे और अपना निजी बुक बैंक बनाए: मुख्यमंत्री

आयोजन

12

सफलता की अपनी यात्रा

चालीसा और कहानियों से जुड़े जेन-जी और अल्फा

250 पुस्तक स्टॉल, 121 प्रकाशकों की भागीदारी

UNIVERSITY NEWS 13 SEPTEMBER 2026

AMAR UJALA

युवाओं का अपना बुक बैंक हो : सीएम योगी

मुख्यमंत्री ने लविवि परिसर में नौ दिवसीय गोमती पुस्तक महोत्सव का किया शुभारंभ, बच्चों को भेंट की एग्जाम वॉरियर्स

संवाद न्यूज एजेंसी

बोले... डिजिटल दौर में भी किताबों से दूर नहीं हुआ है युवा

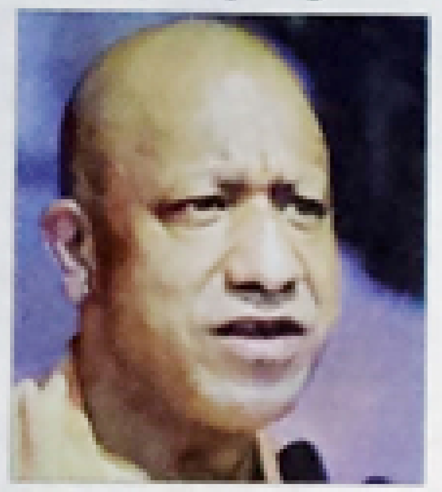

गोमती पुस्तक महोत्सव के उद्घाटन के मौके पर बोलते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

महोत्सव में किताबें देखतीं युवतियां। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पुस्तक एग्जाम वॉरियर्स बच्चों को भेंट की।

नई पीढ़ी को पुस्तकों से जोड़ने की सार्थक पहल

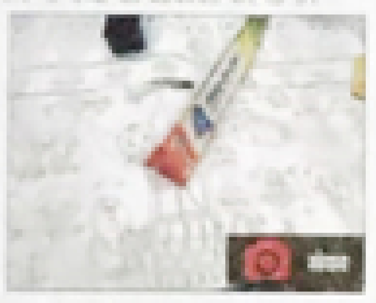

मैजिकबॉक्स के स्टॉल पर पेपरटेल।

किताबों के साथ सुरों से सजी शाम

22 भाषाओं में सात हजार ई पुस्तकें भी उपलब्ध

एआई के दौर में भी किताब पढ़ने का अलग आनंद

TIMES OF INDIA

LU plans centres of excellence tied to NIRF performance

Mohita.Tewari
@timesofindia.com

Lucknow: Lucknow University is all set to come up with an NIRF ranking-linked centre of excellence scheme to promote academic innovation, quality competition and excellence among its departments, faculties, institutes and affiliated colleges.

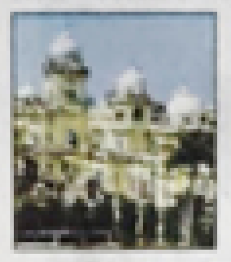

Under the proposed scheme, departments and affiliated colleges that secure a position or recognised ranking band in the National Institutional Ranking Framework (NIRF) will be eligible to be recognised as an 'Academic Centre of Excellence'. Such centres will get greater academic flexibility in areas where they have demonstrated excellence.

"The scheme is based on the principle that institutions with proven national-level performance should be rewarded," said LU vice-chancellor Prof JP Saini.

He said the centres will be allowed to modify up to 70% of the university-prescribed curriculum, develop interdisciplinary programmes, run joint programmes with leading institutions and introduce emerging and experimental postgraduate and doctoral courses in their areas of specialisation.

The VC said they will also have greater freedom in examinations and assessment. Instead of relying only on conventional examinations, centres will be able to introduce open-book tests, case-based assessments, capstone projects, industry-linked evaluation, continuous internal assessment and practical skill-based tests. They may also invite external subject experts as examiners and prepare their own question banks.

However, the flexibility will not be permanent or automatic. It will remain performance-based, subject-specific and subject to periodic review.

If an institution fails to retain eligibility in subsequent NIRF ranking cycles, the recognition may be withdrawn.

TIMES OF INDIA

CM Yogi to youth: Reading gives new direction to life

Asks Them To Build Book Bank

Times News Network

CM Yogi at Gomti Book Fair in Lucknow on Saturday

Lucknow: Chief minister Yogi Adityanath on Saturday said that there is the need to ensure that youth have access to books and said that young people should have their own book banks as the habit of reading can give a new direction to their lives.

Inaugurating Gomti Book Fair in Lucknow, the CM distributed copies of Prime Minister Narendra Modi's book 'Exam Warriors' among children and encouraged them to read it and imbibe the lessons mentioned in it. The CM said that the book was not only for children and had equally important lessons for adults as well.

"Every person goes through some examination in life. Sometimes for a degree, sometimes for a certificate course, and sometimes in various circumstances of life. When a person's courage begins to falter during difficult times, 'Exam Warriors' can become a source of strength and guidance," he said.

He appealed to the youth to develop the habit of buying and reading books. "Whenever there is an opportunity to buy a book, along with curriculum books, priority should be given to books that develop creativity and positive thinking. A good literary work, religious scripture, autobiography of a great personality or a book related to the research of a scientist can inspire a person throughout life," he said.

Calling Uttar Pradesh an important centre for Indian knowledge tradition, the CM said, "Nation and society become sick when they distance themselves from their heritage. India bore the consequences when attempts were made to confine its traditional knowledge in a narrow space. UP, which was once known as a BIMARU state, has emerged from negativity over the past 10 years thanks to its youth."

Yogi encouraged people to read autobiographies to understand the struggles of great personalities.

He also spoke highly of traditional Indian knowledge, saying that it always advocated keeping mind open so knowledge could come from all directions. "Merely going to school, college or university and studying the curriculum does not make a person knowledgeable. To understand society, the country and the world, it is necessary to become familiar with different subjects and ideas. India's knowledge tradition progressed beyond 'Shruti' and 'Smriti' through scriptures, manuscripts, copper plates and various records, and passed from generation to generation," he said. "Lucknow is an old land of literature, and many litterateurs from here have guided the country and society through their timeless works," Yogi added.

Heirs of 3 literary giants to share stage at fest today

Lucknow: In a first-of-its-kind event, the descendants of three giants of Hindi literature will come together on a public platform during the 5th Gomti Book Festival at Lucknow University on Sunday.

The session, titled "Heirs to Literary Legacies", will be held from 4:30 pm to 5:15 pm under the joint aegis of the Ministry of Education and the National Book Trust, India.

The discussion will feature Meena Yashpal, daughter-in-law of noted novelist Yashpal, Prof. Richa Nagar, granddaughter of literary stalwart Amritlal Nagar, and Chandrashekhar Verma, grandson of renowned writer Bhagwati Charan Verma. The session will be moderated by Dr Sunita.

The speakers will share their experiences of carrying forward the legacies of iconic literary figures, discussing both the opportunities and pressures that come with such heritage. They will also recount lesser-known personal anecdotes about the celebrated authors and reflect on ways to preserve and promote their literary contributions for future generations.

The session is expected to be one of the major attractions of the festival, offering readers a rare glimpse into the families behind some of Hindi literature's most enduring names. TNN

A fair deal for young readers & book lovers

Anjanaya Singh | TNN

Lucknow: Books found their beat at Lucknow University as the Gomti Book Festival turned into a vibrant meeting point for young readers, music lovers and campus goers.

From the rustle of new pages to the sound of Paras Band's rock performance, the book fest offered students a chance to browse, discover, connect and capture moments with friends, making reading feel less like a habit and more like an experience.

Visitors browse through a section of books at the fair

"I bought The Alchemist because I have heard so much about it but never had the chance to read it," said a student, Aditi Verma.

From religious and spiritual literature to Urdu poetry and fiction, archaeology, history and theatre, the Gomti Book Festival offers readers an expansive choice of genres.

Books on theatre, classical music, dance, folk traditions and India's performing arts draw readers interested in the country's rich cultural heritage, while Urdu literature adds another layer through poetry, novels and works reflecting the language's literary tradition.

DAINIK JAGRAN

पढ़ने की आदत विकसित करें युवा, अपना बुक बैंक बनाएं : मुख्यमंत्री

लखनऊ से अधिक लोग गोरखपुर के पुस्तक मेले में पहुंचे

250 स्टालों पर सजा साहित्य संसार

महोत्सव में विशेष

HINDUSTAN

हैकाथॉन में टीमों ने पेश किए तकनीकी समाधान

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में अभियांत्रिकी एवं तकनीकी संकाय के कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग विभाग की ओर से स्मार्ट इंडिया इंटर्नल हैकाथॉन-2026 का आयोजन हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता संकायाध्यक्ष प्रो. सतेंद्र पाल सिंह ने की। विभाग के समन्वयक डॉ. हिमांशु पांडेय ने बताया कि प्रतियोगिता में विभिन्न विभागों की 126 टीमों के 756 विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। आठ सत्रों में आयोजित प्रतियोगिता का मूल्यांकन 18 जूरी पैनलों ने किया।